(b) if so, the action taken thereon ?

THE MINISTER OF LAW AND SOCIAL WELFARE (SHRI GOVINDA MENON) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Manufacture of Oil Barrels and Bitumen Drums

*696. SHRI S. M. BANERJEE : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1653 on the 30th July, 1968 and state :

(a) whether the requisite information on all the points has since been collected;

(b) if so, the details thereof ;

(c) whether it is a fact that M/s. Caltex (I) Ltd., supplied 24 gauge steel sheet sheets to M/s. Hind Containers (P) td. at Visakhapatnam for manufacturing bitumen drums which they received from MMTC allotments valued at rupees thirty lakhs during 1966-67;

(d) if so, how they could do so when M/s. Hind Containers (P) Ltd., are said to be registered under Small Scale Industry; and

(e) the details of import licences issued to each Oil Company for 18 and 24 gauge steel sheets separately for manufacturing oil barrels and bitumen drums respectively during the year 1968-69 ?

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI C. M. POONACHA) : (a) (b) and (e). The Iron and Steel Controller is still collecting the data from his licensing officers. These will be made available to the House at the earliest opportunity.

(c) Out of Foreign Exchange allocation for 1966-67, the then Ministry of Petroleum & Chemicals released Rupees 33.00 lakhs in favour of M/s. Caltex (India) Ltd. for import of bitumen drum sheets by M. M. T. C. The sheets were made available to M/s. Hind Containers Private Ltd. by the Oil Company, for fabricating bitumen drums.

(d) M/s. Hind Containers Private Ltd., is a subsidiary concern of M/s. Hind Galvanising & Engineering Company Private Limited, the drum manufacturing contractors of M/s. Caltex (India) Limited.

सरकारी क्षेत्र में उद्योग

*697. श्री कंवरलाल गुप्त :
श्री श्रीगोपाल साबू :
श्री ओंकार सिंह :
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र में कुल कितने उद्योग स्थापित किये गये और उन में से प्रत्येक उद्योग में कितनी-कितनी पूंजी विनियोजित की गई;

(ख) 31 मार्च, 1968 तक प्रत्येक उद्योग की लाभ तथा हानि की स्थिति क्या थी;

(ग) प्रत्येक उद्योग में कितनी उत्पादन क्षमता का उपयोग किया जा रहा है; और

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है कि इन उद्योगों में सुचारू रूप से कार्य हो ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) (क) मार्च, 1968 के अन्त तक निर्माणाधीन परियोजनाओं और भारत जीवन बीमा निगम को छोड़ कर 67 सरकारी उपक्रम काम कर रहे थे । एक विवरण जिस में उपक्रम पर किया गया पूंजी निवेश (अंशों और ऋण दोनों प्रकार का) तथा निर्माणाधीन उपक्रमों और जीवन बीमा निगम में किया गया विनियो-

जन दिखाया गया है सभा पटल पर रखा जाता है। [**पुस्तकालय में रख दिया गया : देखिये संख्या** LT—483/69]।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है जिसमें 1967-68 में चालू 67 उपक्रमों के मूल्य ह्रास को छोड़कर शुद्ध लाभ-हानि, ब्याज तथा कर के आंकड़े दिखलाये गये हैं, सभा पटल पर रखा जाता है। [**पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या** LT—483/69] जीवन बीमा निगम के मामले में 1 अप्रैल, 1965 से 31 मार्च, 1967 के दो वर्षों के अद्यतन मूल्यांकन के अनुसार 72.78 करोड़ रुपये की बचत हुई जिस में से 68.67 करोड़ रुपये पालिसी धारियों को दिये गये थे और शेष 3.61 करोड़ रुपया भारत सरकार को मिला था।

(ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है जिस में सरकारी क्षेत्र के प्रमुख उपक्रमों में (1) स्थापित क्षमता (2) वास्तविक उत्पादन और (3) 1967-68 में प्रयुक्त क्षमता के प्रतिशत की वस्तु स्थिति दिखाई गई है। [**पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या** LT—483/69]

(घ) प्रबन्धकों तथा सरकार द्वारा क्षमता के और अधिक प्रयोग, जहां पर अप्रयुक्त है, के लिए उठाए गए अभ्युपायों का प्रभाव उत्पादों के लिए मांग और प्रबन्धकीय सुधार तथा काम की दक्षता में सुधार दोनों पर निर्भर करता है। इस दशा में उठाये गए पगों को एक पत्रिका "पब्लिक सेक्टर एन्टर प्राइजेज—ए मेमोरेडम" में दिखाया गया है जो सदन के सदस्यों को बजट के कागजों के साथ 28-2-69 को वितरित किया गया था।

Production of Steel during Fourth Plan Period

*698 SHRI BEDABRATA BARUA : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) the total estimated production of steel at the end of Fourth Five Year Plan when all the steel plants will be working at full capacity; and

(b) whether the Fourth Five Year Plan is designed to create enough industrial growth to utilise all the steel produced in the country ?

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI C.M. POONACHA) : (a) The Steering Group which was set up to help the Planning Commission and the Government to formulate its Fouth Plan programme for iron and steel, have estimated that total availability of finished steel in the Fourth Plan (1973-74) from the capacity already planned would be about 7.8 million tonnes. Since the total demand of finished steel in the Fourth-Plan has been estimated at 8.4 million tonnes (including 1.3 million tonnes exports), the Steering Group has suggested several measures for increasing production to that level.

The recommendations of the Steering Group are at present under examination by the Planning Commission.

(b) The steel development programme is being formulated keeping in view the industrial growth envisaged for the Fourth Plan.

भिलाई इस्पात कारखाने के विस्तार सम्बन्धी समिति

* 699. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री बृज भूषण लाल :

क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या भिलाई इस्पात कारखाने के विस्तार सम्बन्धी कर्णधार समिति का प्रतिवेदन प्राप्त हो गया है; और**